ग्रापमें ग्रौर रेल मंत्री में कोई ऐसा मतभेद न हो जिससे ग्रागे चलकर कोई दिक्कत पैदा हो जाय ।

श्री हेमवती नन्दन बहुगुणा : जनाबे-ग्राला, माज़ी इस बात का गवाह है कि मुस्तक़बिल के साथ हमारा मुसलसल ताल्लुक रहा है । जहां तक माननीय सदस्य का सवाल है, ग्रगर वह माज़ी को याद करें तो उन्हें लगेगा कि वे कित कदर गुमराह हुये हैं । मैं उन्हें ज्यादा गुमराह नहीं करना चाहता हूं । जहां तक इस बात का ताल्लुक है कि ग्राइन्दा जब कभी इस तरह की पाइप लाइन बिछानी पड़ेगी तो जरूर रेल मंत्री से मशविरा कर ग्रौर सभी तरह से जितने विचार है उन सब ख्यालात को सामने रखकर ही इस बात को करेंगे ताकि वह गलती न हो जो माज़ी में हो चुकी है इस पाइप लाइन को बनाने में कि वह ठीक कोल फील्ड के ऊपर चली गयी, इस तरह की माज़ी की गलतियां मुस्तकबिल में करने का इरादा नहीं है ।

श्री खुरशीद ग्रालम खान : इतना ग्रर्ज करता हूं कि माज़ी में हमारी रहनुमाई में . . . *(Interruptions)*

Discrimination. in the matter of writing Confidential Reports of and Awarding Punishment to Employees belonging to the Scheduled Castes/ Tribes

•396. SHRI N.P. CHAUDHARI! : SHRI GURUDEV GUPTA : SHRI YOGENDRA MAKWANA:

Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state :

(a) whether any cases of discrimination shown against the railway imployees belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes in the matter of writing confidential reports and awarding punishment in disciplinary cases have recently come to Government's notice, particularly in the Allahabad Division; and

(b) whether Government have enquired into the matter and if so, with what: results and what action Government have taken against the officers showing such discrimination ?

The question was actually asked on the floor of the House by Shri N.P. Chaudhari.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHEO NARAIN): (a) No. Sir.

(b) Does not arise.

श्री एन० पी० चौधरी : माननीय सभापति महोदय, यह बहुत दु:ख की बात है कि हमारे रेलवे मंत्री ग्रफसरशाही के शिकार हैं । मैंने स्वत: उनको बहुत से ऐसे केसेज दिये है जिनमें हरिजन ग्रौर ग्रादिवासी रेल कर्मचारियों के साथ ग्रन्याय हुग्रा है । उनके प्रमोशन पन्द्रह-पन्द्रह साल से रुके हुये हैं ग्रौर ग्रफसरों के कहने की वजह से, उनकी रिपोर्ट के ऊपर, वह न्याय नहीं दे पाये हैं । स्वत: मैंने चार-पांच ऐसे केसेज उनको दिए हैं मगर मंत्री महोदय की स्मरण शक्ति कम हो गई है ग्रौर उन्हें याद नहीं है इसलिए गलत रिप्लाई उन्होंने दिया है मैं उनसे जानना चाहता हूं कि क्या उनको यह जानकारी हैं कि शेड्यूल्ड कास्ट ग्रौर शेडयूल्ड ट्राइब्स के लोगों की जो सी०ग्रार० लिखी जाती है, ग्रौर जनरल क्लास वालों की जो सी० ग्रार० लिखी जाती है कांफिडेंशियल रिपोर्ट लिखी जाती है, तो उसमें शेडयूल्ड कास्ट ग्रौर शेडयूल्ड ट्राइब्स की सी० ग्रार० ग्रधिक खराब की जाती है---जेनरल क्लास की तुलना में । इसलिए वे रह जाते हैं ग्रौर उनका प्रमोशन रुक जाता है ग्रौर विक्टिमाइजेशन होता है । क्या इसकी जानकारी मंत्री जी को है या नहीं ?

श्री शिव नारायण : सभापति महोदय, सर्विस कंडक्ट रूल्स में यह है कि कांफिडेंशियल रिपोर्ट जो आफिसर लिखता है वह कांफिडेंशियल ही रहता है और उसके बाद उससे भी जो इमीडिएट आफिसर है वह उस रिपोर्ट को देखता है । मेरे मित्र ने जो प्रश्न किया है सब संदिग्धमय है । सभापति महोदय, उन्होंने कोई डेफिनिट सवाल नहीं पूछा है, कोई डेफिनिट नियम नहीं बताया । जितने क्वेश्चंस हमारे पास आये हैं, जितने प्रश्न हमारे एम० पी० साहबान के आए हैं, हम उस पर लिख देते हैं और डिपार्टमेंट को हमने भेजा है कि इसकी जांच करें । जो शिकायत उनकी है उसको हमें दे दें रिपोर्ट के साथ तो मैं आपको कम्पलीट जवाब दे दूंगा ।

श्री एन० पी० चौधरी : माननीय सभापति महोदय, यह तो अच्छे ढंग से उन्होंने अपने अधिकारियों को बचा लिया । क्या वे यह बतायेंगे कि किसी शेड्यूल्ड कास्ट या शेड्यूल्ड ट्राइब्स रेल कर्मचारी की सी० आर० रिपोर्ट में रिपोर्ट लिखने वाले का नाम नहीं है तो यह कहां तक उचित है ? आप उसे उचित मानेंगे या अनुचित मानेंगे ? अगर उसमें अधिकारी का नाम नहीं है तो, तो ऐसे अधिकारी जो उनका प्रमोशन ब्लाक करने के लिए उनको विक्टिमाइज करते हैं उनके प्रति आप क्या ऐक्शन लेंगे ?

श्री शिव नारायण : सभापति महोदय, मैंने शुरू में बताया कि मैं जांच करूंगा । आपने अपने प्रश्न में डेफिनिट नाम नहीं दिया . . .

श्री एन० पी० चौधरी : मेरा प्रश्न स्पेसिफिक है ।

MR. CHAIRMAN: Let him reply.

SHRI N. P. CHAUDHARI: He is not giving a proper reply.

MR. CHAIRMAN : Till he replies you will have to sit down.

श्री शिव नारायण : उन्हें कोई नाम नहीं दिया; नाम देंगे तो उसकी जांच करूंगा ।

SHRI N.P.CHAUDHARI: I will ask again.

श्री शिव नारायण : पूछेंगे तो जवाब दूंगा ।

SHRI N. P. CHAUDHARI: I seek your protection, Sir. My question has not been replied to. My question was this: If the name of the officer who writes the C. R. of a railway employee is not given in the C. R., will it be valid, and if it is not valid, what action will the Hon. Minister take against such an officer? This was my question, and he has not replied to it.

SHRI SHEO NARAIN : The set procedure will be followed, Sir.

SHRI K. K. MADHAVAN : Will the Hon. Minister give an assurance that the cases wherein the superior officers have recorded adverse entries in the confidential reports—lest the subordinate officers should get promotion on account of reservation— would be enquired into by the Minister?

MR. CHAIRMAN : If there are such cases he will look into them, he has already said. *(Interrvptious)*

SHRI N. P. CHAUDHARI: I have given them ten cases at least.

SHRIMATI MARGARET ALVA Sir, the Minister just said that the set procedure will be followed. For the people who are not well versed with it, will the Minister state what the set procedure is, whether it is a normal practice for the confidential reports to by signed by the officers or not, and if they are not signed, whether they are valid.

SHRI SHEO NARAIN : I will read it, Sir.

MR. CHAIRMAN : Not necessary. *(Interruption)*

SHRIMATI MARGARET ALVA: The Minister just now said that the set procedure will be followed. I want a clarification on what the set procedure is which is going to be followed.

MR. CHAIRMAN : If he reads out, it would take more time.

SHRI N. P. CHAUDHARI : He does not know the procedure.

SHRI SHEO NARAIN : There are set rules in the Government Department.

There are set rules for that.

सभापति महोदय, काफीडेंशियल रिपोर्ट जो अफसर लिखता है उसके बाद ऊपर वाला अफसर भी उसको देखता है। *(Interruptions)* आप जवाब सुनिये। आई एम नाट सो वीक। जब हम किसी अफसर को प्रमोशन देते हैं तो उसका पिछला तीन या पांच साल का सारा रिकार्ड देखते हैं और जब उस का वह सारा रेकार्ड अच्छा होता है तभी उसको प्रमोशन मिलता है और अगर रेकार्ड खराब होता है तो प्रमोशन नहीं मिलता।

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI: Does the Minister know the set procedure ? *(Interruption)*

MR. CHAIRMAN : For your information, any officer who will have to write the confidential report, will sign it.

SHRIMATI MARGARET ALVA: You are giving the answer, not the Minister I do not understand.

SHRI N. P. CHAUDHARI : Mr. Chairman, Sir, my question has not been answered. I seek your protection. *(Interruptions).*

MR. CHAIRMAN : You cannot ask a number of supplementaries.

SHRI N. P. CHAUDHARI : My question was whether, if the name of the officer writing the C.R. is not there, it is valid or not. This was my question.

MR. CHAIRMAN : I will tell you. You please write to him. He will find out.

SHRI N. P. CHAUDHARI : I have already written, Sir.

श्री शिव नारायण : मैंने जवाब दे दिया है। अगर आप समझ नहीं पाते तो अकल नहीं दे सकता।

SHRI U.R. KRISHNAN: I would like to know whether the Government is thinking of abolishing the system of confidential reports for Government servants and whether the Government is thinking of introducing any other system whereby the employee will be given an opportunity to explain.

SHRI SHEO NARAIN : No, Sir.

MR. CHAIRMAN : Next question. *(Interruption)* May I know your name?

SHRI K. K. MADHAVAN : K. K. Madhavan.

MR. CHAIRMAN : Mr. Madhavan, you want to put supplementaries whether you have a right or not, whether other Members' names are on the list or not. It cannot be allowed. *(Interrutions)* Please hear me. I am observing it for the last 10 days. If it is once or twice, one can understand. But you cannot interfere in every question. Therefore, you should follow the procedure. You are asking the Minister to follow the procedure. You should also follow the procedure.

SHRI N. P. CHAUDHARI : The Minister does not know the procedure.

SHRI H. N. BAHUGUNA : He is the ablest Minister in the House.